Vol II Issue IV Oct 2012

Impact Factor : 0.1870

ISSN No :2231-5063

Monthly Multidiciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

IMPACT FACTOR : 0.2105

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya [Malaysia]

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus Pop

Mohammad Hailat
Dept. of Mathmatical Sciences, University of South Carolina Aiken, Aiken SC 29801

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Catalina Neculai
University of Coventry, UK

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Department of Chemistry, Lahore University of Management Sciences [PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Horia Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

Nawab Ali Khan
College of Business Administration

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University, Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU, Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.net

Golden Research Thoughts
Volume 2, Issue. 4, Oct 2012
ISSN:-2231-5063

Available on all social networks

ORIGINAL ARTICLE

व्यक्तिगत आयकर में वेतन सम्बंधी आय की विसंगतियों का अध्ययन

गजेन्द्र सिरोही , नीरज करारी

सहायक प्राध्यापक क्रिश्चियन एमीनेंट एकेडमी, इन्दौर (म.प्र.)
सहायक प्राध्यापक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सनावद (म.प्र.)

सारांश :

पिछले दिनों मेरे नई दुनिया समाचार–पत्र में 01 जुलाई 2012 को प्रकाशित एक लेख पढ़ा जिसमें एक रेल्वे स्टेशन श्योपुर (म.प्र.) का नाम उद्दत था जहां पर गत 150 वर्षों से रेल्वे प्लेटफार्म है लेकिन वहां कई वर्षों में एक भी रेल्वे प्लेटफार्म टिकिट नहीं बिका। निश्चित ही इससे सरकार को राजस्व की हानि हुई है। इस प्रकार की राजस्व हानि वास्तविक हानि थी या सरकार पहले से ही इस हानि के लिए तैयार थी। आशय यह है कि सरकार नियम तो बना लेती है लेकिन सरकार के संज्ञान में रहता है कि उक्त नियम का पालन नहीं किया जाएगा अतः यह सरकार की स्व–स्वीकृत हानि है।

प्रस्तावना :

मेरा यह शोध आयकर के सन्दर्भ में है। आयकर एक वृहद विषय है। मैंने व्यक्तिगत आयकर के सन्दर्भ में विभिन्न जानकारियों का संकलन किया है और यह जानने का प्रयास किया है कि आयकर में कौन सी कमियाँ है और उसका निवारण कैसे हो सकता है।

1. आयकर का परिचय :–

आयकर से आशय ऐसे कर से है जो करदाता की वर्षभर की कमाई गई करयोग्य आय पर निर्धारित दर पर केन्द्रीय सरकार द्वारा लगाया जाता है। करदाता में व्यक्ति, फर्म, कम्पनी, हिन्दू अविभाजित परिवार, व्यक्तियों के समुदाय, ट्रस्ट आदि आते हैं। भारत में आयकर का इतिहास 150 वर्ष पुराना है। प्राचीन समय में आय के मुख्य स्रोत लगान व चुंगी थे लेकिन अंग्रेजों के शासन एवं औद्यागिक क्रांति ने कर ढाँचे में आमूल परिवर्तन कर दिया। भारत में आयकर सर्वप्रथम 1860 में सर जेम्स विलसन द्वारा लगाया गया था। इस आयकर का उद्येश्य 1857 की स्वतंत्रता संग्राम से उत्पन्न गम्भीर वित्तीय संकट को दूर करने के लिये लगाया गया। 1857 की क्रांति के दौरान अंग्रेजों को भारी वित्तीय संकट का सामना करना पड़ा। इन हानियों को दूर करने के लिए अंग्रेज सरकार ने आयकर लगाया था। वर्तमान में यह कर सरकार के राजस्व का मुख्य स्रोत है। वित्तीय वर्ष 2011–12 में भारत सरकार को आयकर से लगभग 5 लाख करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ था जो कुल केन्द्रीय करों का आधे से अधिक है। वित्तीय वर्ष 2012–13 में आयकर से 5 लाख 63 हजार करोड़ रूपये से अधिक राजस्व प्राप्त होने का अनुमान लगाया गया है।

2. शोध का उद्देश्य :–

इस शोध के पीछे मेरा मुख्य उद्देश्य सरकार एवं सम्बन्धित ऐजेंसी के समक्ष आयकर की सही जानकारी प्रस्तुत करनी है एवं विसंगतियों पर प्रकाश डालना है। उक्त शोध से मेरा यह प्रयास है जिससे सरकार के सामने न्याय संगत कर का रूप प्रदर्शित करना है। कर केवर्तमान ढाँचे में कुछ त्रुटियाँ है। इन त्रुटियों पर प्रकाश डालना है और इसे युक्तिसंगत बनाया जाए। मेरे शोध का मुख्य उद्देश्य कर प्रणाली की कमियों को ढूँढने एवं कर चोरी रोकना है और सरकार के राजस्व को बढ़ाना है।

3. शोध का औचित्य :–

मेरे उपरोक्त शोध का औचित्य वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सरकार व करदाता के लिए उपयुक्त दिशा निर्देश प्रदान करना है। करदाता के कर चोरी के पीछे कुछ कारण होता है। इसमें से कुछ कारणों का निदान सम्भव है। साथ ही शोध के द्वारा मेरा मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत आय वेतन सम्बन्धी आय की विसंगतियों का पता लगाना है व इन विसंगतियों का उचित समाधान करना है। इन विसंगतियों को सरकार के समक्ष उपयुक्त रूप से प्रस्तुत करना है।

4. शोध की पद्धति :–

मेरे इन शोध के लिए प्राथमिक एवं द्वितियक समंकों द्वारा जानकारी एकत्र की है। द्वितीयक समंक के लिए आयकर की विभिन्न पुस्तकें, मैगज़ीन, जर्नल, बेबसाइट आदि में उपलबध आयकर से सम्बन्धित विभिन्न जानकारियाँ एकत्र की है और इन सूचनाओं के द्वारा व्यक्तिगत आयकर मौजूद कमियों का अध्ययन किया है।

Please cite this Article as : *गजेन्द्र सिरोही , नीरज करारी , व्यक्तिगत आयकर में वेतन सम्बंधी आय की विसंगतियों का अध्ययन:* **Golden Research Thoughts (Oct. ; 2012)**

प्राथमिक सूचना के आधार पर विभिन्न करदाता व आमजन से आयकर के सम्बंध में जानकारी एकत्र की है व करदाताओं को आनेवाली परेशानियों का पता लगाया है ताकि आयकर को युक्तिसंगत बनाया जा सके।

5. शोध का क्षेत्र :–

1.आयकर वृहद् विषय है। मेरा शोध व्यक्तिगत करदाता की आय से सम्बन्धित है। मैंने आयकर के वेतन सम्बन्धी आय का अध्ययन किया। मेरा उपरोक्त शोध वेतन सम्बंधी आय तक सीमित है।
2.वर्तमान समय में आयकर के नियम पर्याप्त व पूर्ण नहीं है। इसमें सुधार की आवश्यकता है। भारत सरकार का आयकर के पीछे मुख्य उद्देश्य राजस्व में वृद्धि व सामाजिक असमानता को दूर करना है लेकिन सफलता अभी भी दूर है क्योंकि इनमें अभी सुधार की सम्भावना काफी है। आयकर के प्रचलित विभिन्न नियम प्रतिवर्ष बदल रहे हैं। आयकर के नियमों में प्रतिवर्ष परिवर्तन हो रहे हैं। मैंने अपने उपरोक्त शोध में आयकर के कर निर्धारण वर्ष 1999–2000 व वर्ष 2011–12 व 2012–13 के अध्ययन किया है व उनकी आपस में तुलना की है व न्याय संगतता का परीक्षण किया है।

6. शोध विश्लेषण :–

शोध के लिए मैंने करदाता की व्यक्तिगत आय का अध्ययन किया है। स्वर्ण मूल्य व वेतन भत्तों आदि का अध्ययन किया है जिसे सारणी के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

सारणी क्र. 1
कर निर्धारण वर्ष 1999–2000

आयकर की दर	रूपये	दर प्रतिशत
प्रथम	50000	–
अगले	10000	10%
अगले	90000	20%
आगे	–	30%

सारणी क्र. 2
कर निर्धारण वर्ष 2012–13

आयकर की दर	रूपये	दर प्रतिशत
प्रथम	180000	–
अगले	180000–500000	10%
अगले	500000–800000	20%
	800000 से अधिक	30%
	दीर्घकालीन पूँजी लाभ पर	20%
	अल्पकालीन पूँजी लाभ पर	15%
	आकस्मिक आय पर	30%

सारणी क्र. 3
स्वर्ण मूल्य

वर्ष	ग्राम	मूल्य (रू.)
1999–2000	10 ग्राम	4500
2012–13	10 ग्राम	29500

सारणी क्र. 4

क्र.	मद	वर्ष 1999–2000 प्रतिमाह	वर्ष 2012–13 प्रतिमाह
1	शिक्षा भत्ता प्रतिमाह (अधिकतम दो बच्चे)	50	100
2	होस्टल भत्ता	150	300
3	मुफ्त खाना प्रतिभोजन	35	50
4	जनजाति क्षेत्र भत्ता	100	200
5	मिश्रित पर्वतीय क्षतिपूर्ति भत्ता	600	800
6	समुद्र तल से 1000 मीटर अधिक होने पर	100	300
7	बॉर्डर एरिया भत्ता	650	130
8	कॉन्टिनेंटल शेल्फ ऑफ इण्डिया इकोनोमिक झोन	1100	1100
9	मॉडीफाइड फिल्ड एरिया	975	1000

1.शिक्षा भत्ता 1999–2000 में 50 रूपये प्रतिमाह था जबकि 2012–13 में बढ़कर 100 रूपये प्रतिमाह हो गया है। इस अवधि में करमुक्त भत्ते में 100 रूपये की वृद्धि हुई है जो पर्याप्त नहीं है।
2.होस्टल भत्ता 1999–2000 में 150 रूपये प्रतिमाह था जबकि वर्ष 2012–13 में 300 रूपये प्रतिमाह हो गया अतः इस दौरान होस्टल भत्ते की 100 प्रतिशत वृद्धि हुई है।। अतः यह वृद्धि वर्तमान होस्टल के खर्च को देखकर पर्याप्त नहीं है।
3.मुफ्त खाना की सुविधा 35 रूपये प्रति थाली था जो बढ़कर 50 रूपये प्रति थाली करमुक्त हो गया। यह न्यून वृद्धि संतोषजनक नहीं है। एक दशक में भोजन की सुविधा में मात्र 15 रूपये की वृद्धि हुई है जो उचित नहीं है।
4.जनजाति क्षेत्र में करमुक्त भत्ता 100 रूपये प्रतिमाह था जो बढ़कर 200 रूपये प्रतिमाह हो गया है। इस एक दशक में इसमें मात्र 100 रूपये की वृद्धि हुई है जबकि जनजाति क्षेत्र में रहने वालों के अतिरिक्त खर्चे कई गुना बढ़ गए हैं। आज आजादी के 50 वर्षों बाद भी इन क्षेत्रों का आधारभूत विकास नहीं हो पाया है। ऐसे में यहां रहने वालों को सामान्य व्यक्ति की अपेक्षा कई अतिरिक्त खर्चे करने होते हैं, ऐसे में यह वृद्धि पर्याप्त नहीं है।
5.मिश्रित पर्वतीय क्षतिपूर्ति करमुक्त भत्ता 600 रूपये से बढ़कर 800 रूपये जबकि समुद्रतल से 1000 मीटर ऊँचाई अधिक होने पर भत्ता 100 रूपये से बढ़कर 300 रूपये हो गया है। इस भत्ते में वृद्धि न्यून रही है।
6.इसी प्रकार बॉर्डर एरिया भत्ता 650 रूपये से बढ़कर 1300 रूपये हो गया है। इस एक दशक में 100 प्रतिशत की वृद्धि अपर्याप्त है।
7.कॉन्टिनेंटल शेल्फ ऑफ इण्डिया एवम इकोनोमी इण्डिया का करमुक्त भत्ता 1999–2000 में 1100 रूपये था जो एक दशक बाद भी 2012–13 में 1100 रूपये ही था। इन 10 वर्षों में इसमें कोई भी वृद्धि नहीं हुई है।
8.मॉडीफाइड शेल्टर फील्ड एरिया भत्ता प्रतिमाह 1999–2000 में 975 रूपये था जो बढ़कर 2012–13 में 1000 रूपये हो गया। इस अवधि के दौरान यह वृद्धि अपर्याप्त थी।
9.मेडिकल खर्चों के लिए परिवार के सदस्यों पर खर्च की गई राशि की करमुक्त सीमा 1999–2000 में 15000 थी। 11 वर्षों के दौरान इन खर्चों की करमुक्त सीमा में किसी प्रकार की वृद्धि नहीं की गई है।

मेरा उपरोक्त शोध व्यक्तिगत करदाता की वेतन सम्बंधी आय से है। इसके लिए मैंने कर निर्धारण वर्ष 1999–2000 व कर निर्धारण वर्ष 2012–13 की कुछ मद की तुलना की है। इन 11 वर्षों के आयकर विभाग द्वारा कुछ मदों में वृद्धि की गई है लेकिन इन 11 वर्षों में यह वृद्धि कितनी प्रासंगिक है। इसमें वृद्धि किस सीमा तक उचित है।कर निर्धारण वर्ष 1999–2000 में न्यूनतम करमुक्त आय की सीमा 50000 रूपये थी जबकि कर निर्धारण वर्ष 2012–13 में 180000 थी इन ग्यारह वर्षों में करमुक्त न्यूनतम आय में 130000 रूपये की वृद्धि हुई है जो 260 प्रतिशत है जबकि इन ग्यारह वर्ष में मंहगाई कई गुना बढ़ चुकी है।

ब्रिटिश सरकार के समय स्वर्ण व चॉदी को एक मानक मानकर ब्रिटिश अधिकारियों व कर्मचारियों के वेतन निर्धारण किए जाते थे लेकिन वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ऐसा नहीं है। वर्ष 1999–2000 में स्वर्ण का मूल्य 4500 प्रति 10 ग्राम था जबकि जुलाई 2012 के अनुसार स्वर्ण का मूल्य 29500 रूपये था जिसमें 24000 रूपये की वृद्धि हुई है। यह वृद्धि 533 प्रतिशत है जबकि यदि करमुक्त वेतन में देखा जाए तो मात्र 260 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अतः लागत मुद्रा स्फिति सूचकांक वर्ष 1991 में 182 था जिसका आधार 1981 था जिसमें मूल्य सूचकांक 100 था जबकि 2012–13 में 978 हो गया। अतः कीमत में 437 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह इंगित करती है कि कीमत 4 गुना से अधिक बढ़ चुकी है। अतः करमुक्त वेतन की सीमा में यह वृद्धि संतोशजनक नहीं है। वर्तमान समय में वास्तविक चिकित्सा कई गुना मंहगी हो चुकी है लेकिन आयकर विभाग द्वारा इन खर्चों की करमुक्त सीमा में कोई वृद्धि नहीं करना अप्रासंगिक है।

7. शोध निष्कर्ष :–

मेरा उपरोक्त शोध व्यक्तिगत आय में वेतन सम्बंधी आय की विसंगतियों का अध्ययन है। मेरे उपरोक्त शोध हेतु विभिन्न जानकारियाँ एकत्र की और यह अवलोकन किया है कि व्यक्तिगत आयकर में कई विसंगतियाँ मौजूद हैं। इन विसंगतियों के कारण ही करदाता करचोरी के लिए प्रेरित होता है। अतः इन विसंगतियों को दूर किया जाना चाहिए। कर के लिए एक आदर्श कर का ढाँचा बनाना चाहिए जिससे करदाता कर

भरने के लिए प्रेरित हो सके। अतः आयकर में वेतन सम्बंधी आय में सुधार की अपेक्षा है।

8. आदर्श आयकर के लिए सुझाव :–

1.यदि एक परिवार में एक ही करदाता है तो उसमें निश्चित ही यह करमुक्त आय सीमा में वृद्धि की जानी चाहिए।
2.यदि एक परिवार में एक से ज्यादा सदस्य कमाते हैं तो उन सदस्यों की करयोग्य आय पर 350000 रूपये के बाद कर लगाना चाहिए जिससे राजस्व में वृद्धि होगी।
3.आयकर के नियम ऐसे हो जो प्रासंगिक हों और समयानुसार परिवर्तन हो। उपरोक्त शोध में हमने चिकित्सा खर्चों की छूट के बारे में देखा जिसका 1999–2000 के बाद कुछ भी वृद्धि नहीं है। यह न्यायोचित नहीं है। इससे निश्चित ही करदाता कर चोरी को प्रोत्साहित होता है।
4.शोध में उल्लेखित भत्तो में निश्चित ही वर्तमान समयानुसार सुधार अपेक्षित है।
5.नियम ऐसे बनाए जाऐं जो व्यावहारिक हो। कागजों की खानापूर्ति को विराम दिया जावे। नियमों की प्रासंगिकता पर ध्यान दिया जाना चाहिए।
6.कृषि आय में भी एक सीमा 500000 रूपये के बाद कर लगना चाहिए। प्रारम्भिक 5 वर्षों में न्यून दर से कर लगाया जाए एवं ऐसे भूस्वामी जमीन पर लगाया जाना चाहिए जिनके पास भूमि 20 एकड़ से अधिक हो।
7.पूँजी हानि दीर्घकालीन हो, अल्पकालीन हो उसे अल्पकालीन व दीर्घकालीन लाभों से समायोजित किया जाना चाहिए।

सन्दर्भ पुस्तकें :–

क्रमांक	पुस्तक	लेखक	प्रकाशक
1.	आयकर	श्रीपाल सकलेचा	सतीष पब्लिकेशन, इन्दौर
2.	आयकर	सिंघानिया	टेक्मान पब्लिकेशन, नई दिल्ली
3.	आयकर	कमलेश भण्डारी	यशराज पब्लिकेशन, इन्दौर
4.	आयकर	ए. सी. मेल्होत्रा	साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished research paper.Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review of publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.net